

নাচে এ আনন্দে নন্দ-দুলাল তাতা থৈ তাতা থৈ—
নাচে বৃন্দাবনে হরি ব্রজ-গোপাল ॥

ছন্দ নামে দক্ষিণে বামে, টলে বাঁকা শিখী-পাখা।
উছল যমুনা-জলে বাজিছে তাল,
নাচে নন্দ-দুলাল ॥

বিরাট খেলে হের আজ শিশুর কূপে
স্বর্গে কাঞ্জাল করিঃ ধরায় এলো চুপে চুপে।
এত কূপ কেমনে দেখি,
দিলে কেল দুটি অঁধি, তাহে আবার পলক পড়ে;
আজি বিশ্ব-পালক হ'ল বালক রাখাল ॥

এইচএমভি এন. ৭০৫০ ॥ শিল্পী : মিস্ বীণাপাণি ॥ তাল : কাহারুবা ॥ রাগ : খাবাজ

সা রা II{ পা -া -া পধা | মা -া -া মপা I -গমা -গ'সা রা গা | (মাঃ গরঃ সা রা) }I মা গা গা সরা I
নাচে এ ০ ০ আ০ নন্দ০ দে০ নন্দ ০০ দ দু লা ০ল নাচে লা ল তা তা০
II{ মা -া -া -া | -া গা -া সরা I গা -া -া | (-া গা -া সরা) } -া -া গা মা I
থৈ ০ ০ ০ ০ তা ০ তা০ থৈ ০ ০ ০ ০ তা ০ তা০ ০ ০ নাচে

[না সা]

I{ পা -সা না 'সা | ধা -স'গা ধা পা I -া মগা রা গা | মগা -রসা গা মা }I
ব' ন দা ব' নে ০০ হ' রি ০ ব্র০ জ' গো পাঠ ০ল নাচে

[রা মজ্জা]
I{ 'জ্জা -া জ্জা জ্জা | রজ্জা -রজ্জা রজ্জা রসা I -া রগ'রা গা 'মা | মাঃ -গরঃ না সা }I
ব' ন দা ব' নে ০০ হ' রি ০ ব্র০ জ' গো পাঠ ০ল নাচে

I পা সী না র্সা | ধা -গা ধা পা | -গা মগা রা গা | মগা -রসা 'সা রা' II
বু ন্ দা ব০ মে ০ হ রি ০ ত্ৰ০ জ গো পাঠ ল্ "নাচে"

[পা]

II{ - না - পধা | সী - সী - | - না নধা | ধসা - নধা পা - I
০ ছ ন্ দ০ না ০ মে ০ ০ দ ক্ষি শে ০ বাঠ ০০ মে ০

I গা মা ধণধা পা | গা মা ধণধা পা }I{ - পধা সী সী | সৰ্বা সৰ্বগী সৰ্বা পা I
ট লে বাঁ০০ কা শি থী পাঠ০ খা ০ উছ ল য মু০ নাঠ০ জো লে

I গা - ধা সৰ্বা | ধা - পা পা ধপা | মা - গসা রা গা | মা (গা - রসা -) }I গ রা সা রা II
বা ০ জি ছে তা ল্ না চে ০ ন ০ন্ দ দু লা ০ ০ল ০ ০ল "নাচে"

II{ - গা গা নধা | পা পা পধা মপা | মা - গা গা গমা | 'রা গা মা পা }I
০ বি রা ট০ খে লে হে০ র০ আ ০ জ শি ০ শু র ঝ পে

I{ - গমা ধা পা | মা - গমগা রা সা | রা - রা গা | মা - ধা পা }I
০ স্বৰ গে কা ঙা ০০ল ক রি ধ রায় এ লো চু পে চু পে

[নধপ ধপা]

I{ - পা - না না | নসী সী সী সী | - পা না না | না ধনসীঃ - নধঃ ক্ষপা I
০ এত ঝুপ কে য০ নে দে থি ০ দিলে কে ন দু টি০ ০০ আঁধি

I গা মা ধণধা পা | গা - মা ধণধা পা }I{ - - পা পা | এ পধা সী র্বা I
তা হে আৠ০ বাৰ প লক্ প০০ ডে ০ ০ আ জি ০ বি০ শ্ব পা

I র্বা সৰ্বগী সী পা | পধা পধনসী নধা পা | ধপা - ক্ষা পা | পা - সী পা পা I
ল ক০০ হ'ল বাঠ ল০০০ ক০ রা খাঠ ল্ আ জি রি ০ শ্ব পা

I ধা ধৰ্সা ধা পা | পধা পধনৰসী নধা পা | 'পা - পা পা | - পাধা সী র্বা I
ল ক০০ হ'ল বাঠ ল০০০০ ক০ রা খা ল্ আ জি ০ বি০ শ্ব পা

I री सर्गी सी गा | गा गा धा सर्गा I धा -पा -ा ए | -ा -ा पा धपा I
ल क०० ह' ल वा ल क रा० थ० ल० ०० ना चें०

I मा गसा रा गा | माः -गरः सा रा० I पा -ा -ा पधा | मा -ा -ा मगा I
न न० द दु ला० ल० ना चें० अ० न० ०० दें०

I गा -सा रा गा | मा -गरा गा सरा० I मा -ा -ा -ा | -ा गा -ा सरा० I
न न० द दु ला० ल० ता० ता० तै० ००० ० ता० ता०

I गा -ा -ा | -ा -ा गा मा० I पा -सी ना सी० | धा -सर्गा धा पा० I
तै० ००० ००० ना चें० बू० न० दा० व न००० है० रि०

I -ा मगा रा गा | माः -गरः सा रा० I पा -ा -ा पधा | -मा -ा -ा मपा I
० ब्र० ज गो० पा० ल० ना चें० अ० ००० आ० न० ०० दें०

I गमा -गसा रा गा | मा -गरा सा रा० I पा -ा -ा पधा | मा -ा -ा मा II II
न० ००० द दु ला० ल० ना चें० अ० ००० आ० न० ०० दें०